स्कूलों को थे निर्देश, हर क्लास के बच्चों का कंपटेंसी ग्रेड के अनुसार रिकार्ड बनाया जाए

एलईपी से दिखने लगा सुधार, पूर्ण लक्ष्य के लिए नियमित मॉनिटरिंग की सख्त जरूरत

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

गुड़गांव लर्निंग इनहांसमेंट प्रोग्राम (एलईपी) के तहत प्राथमिक स्तर में बच्चों की पढ़ाई में सुधार दिखने लगा है। लक्ष्य को सौ फीसदी पाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग व मेंटरिंग की जरूरत है, नहीं तो इसका भी हाल अन्य कार्यक्रमों जैसा होगा। ऐसे में इसकी हर स्तर पर निगरानी होनी जरुरी है। एलईपी के तहत सभी प्राइमरी हेड को निर्देश दिया गया था कि स्कूल के हर क्लास के बच्चों का कंपटेंसी ग्रेड के अनुसार रिकार्ड बनाया जाए। इसके बाद 15 जनवरी से 15 फरवरी तक स्कूलों में दो घंटा अतिरिक्त कक्षाएं लगाई गई थी। इस दौरान स्कूलों में कितना काम हुआ। इसका जायजा लेने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की टीम ने मंगलवार को जिले के दो स्कूलों का दौरा किया। इसमें एससीईआरटी एलईपी के राज्य संयोजक मनोज कौशिक, गणित विशेषज्ञ नंद किशोर वर्मा, अंग्रेजी के विशेषज्ञ सुरेश यादव व एबीआरसी संजीव शामिल थे।

मंगलवार को एससीईआरटी की टीम राजकीय प्राथमिक स्कूल सेक्टर 31 पहुंची। टीम कक्षा 1 में पहुंची जहां 33 बच्चे थे। बच्चों से जोड़, घटाना और भाग के बारे में पूछा। जिसे अधिकांश बच्चों ने बता दिया। कुछ बच्चों ने बोर्ड पर भी इसे करके बताया। हालांकि कुछ बच्चे अपने स्कूल का नाम नहीं बता पाए। क्लास-2 में करीब 30 बच्चे थे। बच्चों को गणित पढ़ाया जा रहा था। विशेषज्ञों ने विभाग की ओर से दिए गए कंपटेंसी को पूछा। जिसमें खड़ी पाई, सीधी पाई, वर्ग करना जैसे प्रश्न थे। गणित में करीब 65 फीसदी प्रश्नों का बच्चों ने सही जवाब दिया। क्लास-5 क्लास में 31 बच्चे थे। बच्चों से मैथ में रेडियस, त्रिज्या, व्यास जैसे प्रश्न पूछे गए। अधिकांश बच्चों ने सही जवाब दिया।

एससीईआरटी विशेषज्ञों के अनुसार निरीक्षण के दौरान पाया कि एलईपी से बच्चे अपने टारगेट को अचीव करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन लिए विभाग को सतर्कता के साथ नियमित निरीक्षण करना होगा, तभी परिणाम बेहतर आएगा। इस दौरान 'दैनिक भास्कर' ने पूरी प्रक्रिया को देखा और समझने का प्रयास किया। वहीं सुशांतलोक में स्पोर्टस कार्यक्रम

क्या है एलईपी

एलईपी के तहत प्राथमिक स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी और गणित पर ध्यान दिया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य एक कक्षा के सभी बच्चों को एक शैक्षिक स्तर पर लाना है। जैसे कक्षा पांच में पढ़ रहा है लेकिन पांचवीं के कंपटेंसी का नहीं बल्कि तीसरी या चौथी के ग्रेड का है। ऐसे में इन बच्चों को इस कक्षा के अनुरूप लाना है। सरकार की योजना है कि एलईपी के जरिए सक्षम हरियाणा के तहत बच्चों के लर्निंग आउटकम को 80 फीसदी तक लाना है। एलईपी के तहत छात्रों की कंपटेंसी स्तर, छात्र केन्द्रित, छात्र गतिविधि/ सहभागिता, संकल्पना को समझना, बहुस्तरीय शिक्षण व सतत मूल्यांकन पर ध्यान दिया जा रहा है।

Scanned by CamScanner